डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 61 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 10 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

एमपी में कांग्रेस 7, बसपा 111 और गोंगपा 21 सीटों पर रही तीन नंबरी

भोपाल, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा भले ही एक भी सीट नहीं जीत सकी पर उसके चार प्रत्याशी दूसरे और 111 तीसरे नंबर पर रहे। बसपा ने इस चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। गोंगपा 21 सीटों पर तीसरे स्थान पर रही।

बसपा को 3.40 प्रतिशत मत मिले। कांग्रेस के 7 और भाजपा का एक उम्मीदवार तीसरे नंबर पर रहा। यह पहली बार है जब सपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं रही। चार सीटों पर निर्दलीय दूसरे और 44 सीटों पर तीसरे नंबर पर रहे। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने के बाद भी प्रदेश में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। पार्टी के प्रत्याशी किसी सीट पर दूसरे नंबर पर भी नहीं आ सके। सिंगरौली से मैदान में उतरी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल चौथे स्थान पर रहीं। आप को 0.54 प्रतिशत मत मिले जो नोटा (0.98 प्रतिशत) से भी कम हैं। प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में 163 सीटें जीतने वाली भाजपा रतलाम जिले की सैलाना सीट पर तीसरे नंबर पर रही। यहां भारत आदिवासी पार्टी के कमलेश्वर डोडियार जीते। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के हर्ष विजय गहलोत रहे। भाजपा की संगीता चारेल तीसरे स्थान पर रहीं।

कांग्रेस इन सीटों पर रही तीसरे नंबर पर...

सिरमौर – यहां से भाजपा के दिव्यराज सिंह जीते। उप पुलिस अधीक्षक पद से सेवानिवृत वीडी पांडे बसपा से लड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

दिमनी– यहां केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जीते। बसपा के बलवीर दंडोतिया दूसरे और कांग्रेस के रवींद्र सिंह तोमर तीसरे नंबर पर रहे।

होशंगाबाद– यहां भाजपा के डा. सीतासरन शर्मा जीते। उनके भाई कांग्रेस प्रत्याशी गिरिजा शंकर शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। दूसरे क्रम में भाजपा के बागी भगवती प्रसाद चौरे रहे।

महू– यहां भाजपा की उषा ठाकुर जीतीं। कांग्रेस से अलग होकर मैदान में उतरे अंतर सिंह दरबार दूसरे और कांग्रेस प्रत्याशी रामकिशोर शुक्ला तीसरे स्थान पर रहे।

आलोट– यहां से भाजपा के चिंतामणि मालवीय जीते। कांग्रेस से दूसरी बार बागी होकर चुनाव लड़े प्रेमचंद्र गुड्डू दूसरे व कांग्रेस प्रत्याशी मनोज चावला को तीसरा स्थान मिला।

मल्हारगढ़– यहां से भाजपा के जगदीश देवड़ा जीते। निर्दलीय उम्मीदवार श्यामलाल जोकचंद दूसरे और कांग्रेस के परशुराम सिसोदिया तीसरे स्थान पर रहे।

सुमावली– ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में गए एंदल सिंह कंसाना जीते। टिकट बदलने से नाराज कांग्रेस के कुलदीप सिकरवार बसपा से मैदान में उतर गए, जिससे कांग्रेस के अजब सिंह कुशवाह तीसरे नंबर पर पहुंच गए।

मंदसौर विस सीट: चौथा जैन उम्मीद्वार उतरा उम्मीदों पर खरा

सामान्य वर्ग से सिर्फ जैन समाज का प्रत्याशी कांग्रेस की पसंद, 15 में से 11 बार उतारा पिछड़ा वर्ग का उम्मीदवार

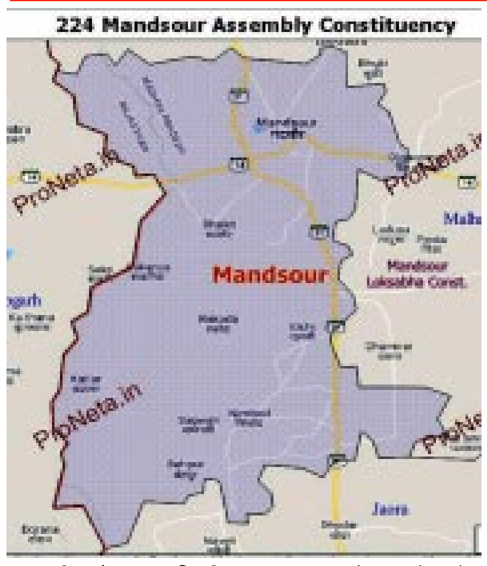

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा सीट पर कांग्रेस का 20 साल का सूखा खत्म हुआ। इसे खत्म किया कांग्रेस प्रत्याशी और जैन समाज से ताल्लुक रखने वाले प्रत्याशी विपीन जैन ने। कांग्रेस की बात करें तो पिछले पद्रह में से सिर्फ चार बार सामान्य वर्ग को मौका दिया। उसमें भी हर बार जैन समाज के व्यक्ति को ही मैदान में उतारा। हालांकि हर बार हार ही मिली। 1952 से शुरु हुए चुनावी सफर में तखतमल जैन, धनसुखलाल भाचावत और नरेंद्र नाहटा पर कांग्रेस ने भरोसा जताया था। इसके बाद भरोसे पर खरा उतरे विपीन जैन।

संसदीय क्षेत्र में भी आठ में से तीन जैन...

वैसे कांग्रेस को जैन समाज के उम्मीद्वार खासे पसंद रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मंदसौर सीट पर जहां जैन वोटर अभी तक भाजपा को सपोर्ट करते रहे। इस बार विपीन जैन के समर्थन में रहे। कांग्रेस ने इस बार संसदीय क्षेत्र में तीन जैन समाज के वर्ग को टिकीट दिया। जिसमें गरोठ से सुभाष सोजतिया, मनासा से नरेंद्र नाहटा और मंदसौर से विपीन जैन मैदान में थे।

1990 से बना मंदसौर भाजपा का गढ़...

अभी तक हुए 15 चुनाव में भाजपा ने 9 बार तो कांग्रेस ने 6 बार मंदसौर सीट पर फतेह हासिल की है। 1990 के बाद हुए सात चुनावों में तो मंदसौर विधानसभा के बदले परिदृश्य ने इस सीट पर भाजपा को ही स्थापित कर दिया है। यहां केवल 1998 में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। उसके अलावा छह चुनावों 1990, 1993, 2003, 2008, 2013 व 2018 में भाजपा ने लगातार कांग्रेस प्रत्याशियों को शिकस्त दी है।

सात बार एक ही उम्मीद्वार पर भरोसा...

कांग्रेस की ओर से अभी तक सात बार श्यामसुंदर पाटीदार चुनाव मैदान में उतरे। दो बार 1957, 1962 व 1980, 1985 में ऐसा मौका भी आया कि लगातार दो चुनाव भी जीते। इसके बाद तीसरे चुनाव में उन्हें हार ही मिली। इनके अलावा कांग्रेस की तरफ से तीन चुनाव लड़ने का मौका नवकृष्ण पाटिल (1993, 1998, 2003) को ही मिला था, पर वे भी केवल एक बार 1998 में ही चुनाव जीत पाए। भाजपा की तरफ से लगातार तीन चुनाव लडने का मौका कैलाश चावला (1990, 1993, 1998) को भी मिला। वे भी दो चुनाव जीतने के बाद 1998 में हार गए। 2003 व 2008 में लगातार भाजपा को जीत मिली, पर दोनों बार अलग-अलग उम्मीदवार मैदान में थे।

तखतमल जैन से विपीन जैन तक का सफर...

1952 में कांग्रेस ने तखतमल जैन को मैदान में उतारा। जो चुनाव हार गए। 1977 में धनसुखलाल भाचावत व 2018 में नरेंद्र नाहटा को कांग्रेस ने मौका दिया और दोनों ही हार गए। इसके बाद इस बार 2023 के चुनाव में एक बार फिर जैन समाज के उम्मीद्वार पर दांव खेला। हालांकि, तथ्य यह भी बताते हैं कि कांग्रेस को इस सीट से छह बार जीत दिलाने में पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की ही भूमिका रही है। पांच चुनाव तो अकेले श्यामसुंदर पाटीदार ने ही जीते हैं, एक नवकृष्ण पाटिल ने। कांग्रेस ने 2018 से पहले केवल एक बार 1977 में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा के सामने सामान्य वर्ग से धनसुखलाल भाचावत को मैदान में उतारा था, पर वे 9183 मतों से चुनाव हार गए थे।

मंदसौर विधानसभा का सफरनामा...

वर्ष	विजयी	हारे	जीत का अंतर
1952	शिवदर्शन अग्रवाल(हिंदु महासभा)	तखतमल जैन(कांग्रेस)	
1957	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	भगवानदास जैन (हिंदू महा.)	9138
1962	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	गजा महाराज (जनसंघ)	2162
1967	मोहनसिंह गौतम (जनसंघ)	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	6088
1972	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	किशोरसिंह सिसौदिया (जनसंघ)	8553
1977	सुंदरलाल पटवा (जनता पार्टी)	धनसुखलाल भाचावत (कांग्रेस)	9183
1980	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	मनोहरलाल जैन(भाजपा)	1358
1985	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	मनोहरलाल जैन (भाजपा)	5181
1990	कैलाश चावला (भाजपा)	श्यामसुंदर पाटीदार (कांग्रेस)	24181
1993	कैलाश चावला (भाजपा)	नवकृष्ण पाटिल (कांग्रेस)	2869
1998	नवकृष्ण पाटिल (कांग्रेस)	कैलाश चावला (भाजपा)	9536
2003	ओमप्रकाश पुरोहित (भाजपा)	नवकृष्ण पाटिल (कांग्रेस)	22909
2008	यशपालसिंह सिसौदिया (भाजपा)	महेंद्रसिंह गुर्जर(कांग्रेस)	1685
2013	यशपालसिंह सिसौदिया (भाजपा)	महेंद्रसिंह गुर्जर(कांग्रेस)	24295
2018	यशपालसिंह सिसौदिया (भाजपा)	नरेंद्र नाहटा(कांग्रेस)	18370
2023	विपीन जैन(कांग्रेस)	यशपालसिंह सिसौदिया(भाजपा)	2049

थकान उतारने कई जिलों के बड़े साहब छुट्टियों पर

विधान सभा के बाद लोकसभा के बेकअप के लिए रिलेक्स मोड़ पर अधिकारी, देश-विदेश भ्रमण की तैयारी

उज्जैन, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव की थकान उतारने प्रदेश के कई जिलों के बड़े साहब अर्थात कलेक्टर अवकाश पर हैं। कुछ अल्पकालिक अवकाश पर जाने वाले हैं। दूसरी ओर, नई सरकार के गठन और प्रशासनिक जमावट की तैयारियों के बीच कई ब्यूरोक्रेट्स देश-विदेश के भ्रमण पर जाने की तैयारी में हैं। ऐसे में इन अधिकारियों को राज्य शासन द्वारा सौंपे गए दायित्व अवकाश अवधि तक प्रभारियों के भरोसे रहेंगे।

बीती 3 दिसंबर को हुई मतगणना के बाद कई जिलों के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी अवकाश पर चले गए हैं। यह बात सार्वजनिक तौर पर तब सामने आई जब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इस बैठक में जिलों के कलेक्टरों से सुझाव और शिकायतों की जानकारी मांगी। तब कलेक्टर के प्रतिनिधि के तौर पर अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत और नगर निगम आयुक्तों ने बात रखी। करीब 3 माह तक लगातार चुनावी व्यस्तता के चलते अवकाश पर गए अधिकारियों में जिन कलेक्टरों के नाम सामने आए हैं उसमें कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, सतना अनुराग वर्मा, सागर दीपक आर्य, शहडोल वंदना शर्मा और जबलपुर कलेक्टर कुमार सौरभ के नाम चर्चा में है।

इसलिए अवकाश पर जा रहे अधिकारी...

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार विधानसभा चुनाव के बाद अब जिलों में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू होने वाली है। इसके साथ ही बीजेपी की नई सरकार के गठन का काम अगले हफ्ते होने के बाद अगले 15 दिनों में नई सरकार के मुखिया की ओर से प्रशासनिक सर्जरी किया जाना संभावित है। इसकी एक वजह अधिकारियों का अवकाश 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच स्वीकृत करने का सरकारी नियम है। इन सबके चलते अधिकारी दिसंबर माह में सबसे अधिक अवकाश पर जाते हैं।

जैन मंदिर के बाहर से बाईक चोरी

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के जनकूपुरा बड़ा चौक स्थित नेमीनाथ अग्रवाल जैन मंदिर के बाहर से पुजारी की बाइक चोरी हो गई।

मंदिर पुजारी गोरखनाथ योगी के अनुसार रात को करीबन 9.30 बजे बाइक एमपी 14 एमडी 1069 मंदिर के बाहर खड़ी की थी, सुबह 7 बजे मंदिर के बाहर आकर देखा तो बाइक गायब थी। जिसे कोई बदमाश चुरा ले गया। सुबह जब पुजारी ने बाइक की तलाश की तो पता चला देर रात दो युवक उक्त बाइक धानमंडी तरफ से लेकर निकले है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

बोर्ड परीक्षा के सेंपल पेपर वेबसाईट पर अपलोड

किस तरह के प्रश्न पूछे जा सकते है, यह विद्यार्थियों को पता चलेगा

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र भोपाल की हाईस्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षाओं का पेटर्न कैसा होगा, इसकी तैयारी शुरु हो गई है। मंडल ने विद्यार्थियो को परीक्षा की तैयारी के लिए सभी विषयों के सैंपल पेपर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिए हैं। परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थी इन पेपर को हल कर यह जान सकेंगे कि किस पैटर्न के पेपर आएंगे।

सैंपल पेपर में स्कीम ऑफ मार्क्स की जानकारी के साथ ही परीक्षा की तैयारी में छात्रों को मदद मिल सकेगी। जैसे, हायर सेकंडरी परीक्षा में हिंदी के पेपर में 23 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें एक से पांच प्रश्न के अंतर्गत 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। यह किस तरह के होंगे। यह सब कुछ पेपर में दिया गया है। इसी के साथ पाठ्यपुस्तक से प्रश्न तैयार करवाकर भी दिए गए हैं। निबंध के विषय क्या हो सकते हैं, यह भी पेपर में दिया गया है। इस तरह से हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के कुल 20 पेपर अपलोड किए गए हैं। इनमें हायर सेकंडरी के 14 और हाई स्कूल के सभी छह प्रमुख विषय शामिल किए गए हैं।

आवेदन का प्रारूप भी अपलोड...

मंडल ने आवेदन का प्रारूप भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। काउंसलिंग के लिए मंडल की दर के मुताबिक काउंसलर को 215 रुपए प्रतिघंटे के हिसाब से मानदेय प्रदान किया जाएगा। चयनित उम्मीदवार को सुबह 8 से रात 8 बजे के मध्य चार-चार घंटे की पारियों में अपनी सेवाएं देनी होगी। इसे रोटेशन पद्धति से बदला जाएगा। सभी काउंसलर्स को मंडल द्वारा दिए जाने वाले सभी उन्मुखीकरण कार्यक्रमों में शामिल होना अनिवार्य है। आवेदकों की आयु 1 जनवरी 2024 की स्थिति में 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि परीक्षा के पहले और परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं काउंसलर्स से मदद लेते हैं।

बोर्ड ने ही विशेषज्ञों से सैंपल पेपर तैयार करवाए हैं। छात्रों को सबसे बड़ा लाभ यह मिलेगा कि उन्हें यह स्पष्ट हो जाएगा कि प्रश्न किस तरह से पूछे जाएंगे। पेपर में जिन बिंदुओं को कवर किया गया है, उसके आधार पर उन्हें तैयारी करने में मदद मिल सकेगी। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि हर पेपर में प्रश्नों के प्रकार के साथ ही उनके उदाहरण भी दिए गए हैं।

चंबल मार्केटिंग के गल्ले से 50 हजार निकाल गया बदमाश

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के कालाखेत स्थित एक दुकान से अज्ञात बदमाश गल्ले में रखे 50 हजार रुपए की गड्डी निकाल ले गया। मामले में पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कालाखेत स्थित चंबल मार्केटिंग दुकान पर हर्ष माहेश्वरी बैठा था। वह 2-3 मिनिट के लिए वाश रुम गया था। इसी दौरान अज्ञात बदमाश ने गल्ले में रखे 500 के नोट की गड्डी निकाल ली। जब हर्ष को पता चला तो आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे। बाद में शहर कोतवाली जाकर आवेदन दिया। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

मेले में रौनक– नगर पालिका द्वारा आयोजित श्री पशुपतिनाथ महादेव के मेले में शनिवार को भारी भीड़ रही। मेले में खरीददारी करने और झूले चकरी में झूलने का आनंद लोगो ने लिया। इस दौरान कई नए झूलो का भी लोगो ने लुत्फ उठाया। इस दौरान महिलाओ ने जमकर खरीदारी की।

पंद्रह जनवरी को मनेगा मकर सक्रांति पर्व

पिछले साल भी 15 को मनाया गया था, 14 की आधी रात में मकर राशि में प्रवेश करेंगे सूर्य नारायण

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सूर्य नारायण की आराधना का पर्व मकर संक्रांति बरसो से 14 जनवरी को मनाया जाता है। लेकिन, इस साल भी यह पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा। क्योंकि, सूर्य 14 जनवरी की आधी रात के बाद अर्थात तड़के 3.44 बजे धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्यास्त के बाद राशि परिवर्तन करने से मकर संक्राति का पुण्यकाल 15 जनवरी को रहेगा। ऐसे में इस साल भी मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा। इस वर्ष मकर संक्रांति घोड़े पर बैठकर आ रही हैं, अर्थात वाहन घोड़ा और उपवाहन सिंहनी होगा।

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार मकर संक्रांति का प्रारंभ 14 जनवरी को अर्द्ध रात्रि 3.44 बजे से प्रारंभ होगा, इसलिए यह पर्व 15 जनवरी को उदया तिथि में मनाया जाना श्रेष्ठ है। इसका पुण्य काल 15 जनवरी सोमवार को प्रात:काल सूर्योदय से शुरु होगा और दिनभर रहेगा। मकर संक्रांति के पुण्य काल में तीर्थों में स्नान, दान, जप तथा धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। यदि आप तीर्थ स्थल नहीं जा सकते हैं तो घर पर ही सूर्योदय के पूर्व उठकर पानी में गंगाजल डालकर स्नान करें। मकर संक्रांति पर चावल, मूंग की दाल, काले तील, गुड़, ताम्र कलश, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र आदि का दान करने से समृद्धि मिलती है। इस दिन भगवान सत्यनारायण की कथा भी की जाती है।

बता दें कि संक्रांति 14 जनवरी की अर्ध रात्रि में होने की वजह से 2019 और 2020, 2022 में भी 15 जनवरी को मनाई गई थी। मकर संक्रांति का पर्व 80 से 100 साल में एक दिन आगे बढ़ जाता है। 19वीं शताब्दी में मकर संक्रांति 13 और 14 जनवरी को मनाया जाता था। 2080 से 15 जनवरी को ही संक्रांति मनाई जाएगी।

ज्योतिषियों के अनुसार इस साल मकर संक्रांति पौष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 15 जनवरी को रवि योग, शतभिषा नक्षत्र में मनाई जाएगी। रवि योग सूर्योदय के साथ सुबह 7.07 से प्रारंभ होकर दिनभर रहेगा। इस दिन भगवान को तिल व तिल के लड्डू और गेहूं व चावल के खीचड़े का भोग लगाने का महत्व है।

सक्रांति पर तिल का महत्व...

मकर सक्रांति से दिन तिल-तिल बढना शुरु होंगे और रातें छोटी होती जाएंगी। इस पर्व पर तिल का विशेष महत्व है। सुबह तिल के स्नान, तिल से तर्पण, हवन, तिल के पूजन, तिल युक्त पदार्थो के दान का बहुत महत्व है। मकर सक्रांति पर स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध, अनुष्ठन और सूर्य की आराधना का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान करने से अनंत गुना फल प्राप्त होता है। गंगा स्नान तथा गंगा तट पर दान का भी विशेष महत्व है। इस दिन सत्यनारायण भगवान की कथा की जाती है।

विचार-मंथन

सुखदेव सिंह की हत्या से सवालों के घेरे में कानून व्यवस्था

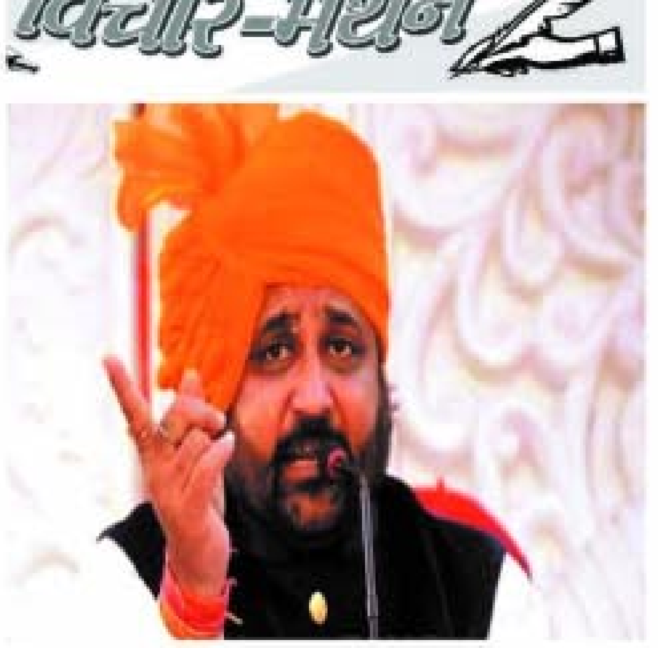

राजस्थान में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद और सरकार गठन के पहले ही दोहरे हत्याकांड की जो घटना सामने आई है, उसने फिर यही दर्शाया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था किस हालत में हैं। सरकार और प्रशासन की ओर से आए दिन सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद होने के दावे के बीच जमीनी हकीकत यही है कि राज्य में अपराधियों को अपने सामने एक तरह से कोई चुनौती नहीं दिखती है और वे मनमाने तरीके से जघन्य वारदात करके फरार भी हो जाते हैं। मगर जयपुर की ताजा घटना इसलिए भी ज्यादा गंभीर है कि इसमें राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और वहीं मौजूद एक अन्य व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जो शायद मजबूत सुरक्षा घेरे में रहते हों। राज्य के लोगों को हर स्तर पर सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सख्ती से लेकर आपराधिक वारदात की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे तमाम दावे एक तरफ रह गए और दो अपराधियों ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के घर में जाकर उनकी हत्या कर दी। जाहिर है, वारदात को अंजाम देने पहुंचे अपराधियों के भीतर एक तरह से किसी का खौफ नहीं था। सवाल है कि अगर बिना किसी बाधा या अड़चन के किसी चर्चित हस्ती की हत्या करने के बाद अपराधी फरार भी हो जाते हैं तो यह वास्तव में किसकी नाकामी है! खबरों के मुताबिक, हत्या की जिम्मेदारी एक कुख्यात अपराधी ने ली, जो जेल में बंद एक बड़े गैंगस्टर के साथ मिलकर काम कर रहा था और उसकी तरफ से गोगामेड़ी को लगातार धमकियां मिल रही थीं। शायद किसी ऐसी घटना की आशंका के मद्देनजर ही गोगामेड़ी ने अपने लिए सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन सरकार ने इस ओर समय पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। अब जिस तरह से इस घटना को अंजाम दिया गया, उसे देखते हुए क्या सरकार अब भी यह दावा करने की हालत में है कि कानून-व्यवस्था को लागू करने के उसके दावे पूरी तरह पुख्ता रहे हैं अब हत्या की जांच के लिए पुलिस ने विशेष जांच दल गठित किया है, मगर सच यह है कि राज्य की राजधानी जयपुर में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या ने समूचे सरकारी तंत्र के सुरक्षा इंतजामों और पुलिस के खुफिया तंत्र की विफलता का ही बयान किया है। दरअसल, समूचे राज्य में ऐसी छोटी-बड़ी घटनाओं की एक शृंखला है, जिसे संभालने में सरकार नाकाम रही। अकेले जयपुर में सन 2022 में अट्ठाईस हजार एक सौ इकहत्तर आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। इससे पिछले वर्ष यह संख्या तेईस हजार तीन सौ उनतालीस थी। साफ है कि वक्त के साथ राज्य में हालात बिगड़ते गए हैं। इसका मतलब यही निकलता है कि यहां अपराधियों के भीतर पुलिस प्रशासन का कोई खौफ नहीं है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले कई सालों से विपक्ष ने राज्य में एक पूर्णकालिक गृहमंत्री नहीं होने को लेकर अक्सर सवाल उठाए। मगर पहले ही कई अन्य विभागों का बोझ उठाए मुख्यमंत्री को अपराधों की रोकथाम की कितनी चिंता थी ऐसे में आम जनता के बीच सरकार और उसकी कार्यप्रणाली को लेकर क्या राय बनेगी यह बेवजह नहीं है कि इस विधानसभा चुनाव में राजस्थान की कानून-व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बनी और इसने बड़े पैमाने पर लोगों की राय और उसके बाद वोट पर असर डाला। अब नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती राज्य में कानून व्यवस्था के मोर्चे पर आम जनता के भीतर विश्वास बहाल करने की होगी, क्योंकि यह वादा सबसे अहम चुनावी मुद्दों में से एक था।

कांग्रेस चुनाव लड़ना सचमुच भूल गई है!

अजीत द्विवेदी

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस चुनाव हारी तो ईमानदारी से उसका विश्लेषण करने की बजाय कांग्रेस नेता तेलंगाना का वोट जोड़ कर कहने लगे कि कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख वोट ज्यादा मिला है। हकीकत यह है कि इन तीन राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से 50 लाख वोट कम मिला है। कांग्रेस को तीन लाख 98 हजार वोट मिला है तो भाजपा को चार करोड़ 51 लाख वोट मिला है। राजस्थान के नजदीकी मुकाबले को छोड़ दें तो दो राज्यों में कांग्रेस को निर्णायक हार मिली है। लेकिन अब कांग्रेस नेता इस टोटके की बात कर रहे हैं कि 2003 में इन राज्यों में कांग्रेस हारी थी तो 2004 में देश की सत्ता उसको मिल गई थी। ऐसी जब सोच है तो फिर भगवान ही मालिक है! बहरहाल, अगर ईमानदारी से कांग्रेस इन तीन राज्यों में हार के कारणों की तलाश करती तो उसको पता चल जाता कि इन राज्यों में हार के बीज 2018 में ही पड़ गए थे। असल में कांग्रेस में इन दिनों केंद्रीय आलाकमान की तरह राज्यों में भी आलाकमान बनाने का चलन हो गया है। पहले कांग्रेस में एक ही आलाकमान होता था। लेकिन अब राज्यों में छोटे छोटे आलाकमान बना दिए गए हैं। राज्यों में एक ही नेता के हाथ में सब कुछ सौंप दिया जाता है और उसके फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाता है। यह संगठन के कमजोर होने और जमीनी नेताओं के हाशिए पर जाने का कारण बना है। सोचें, जब 2018 में मध्य प्रदेश में कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्हीं को प्रदेश अध्यक्ष क्यों बनाए रखा गया ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव अभियान समिति के बतौर प्रमुख के नाते कितनी मेहनत की थी, क्या यह किसी से छिपा हुआ था लेकिन उन्हें सरकार या संगठन में हिस्सेदार नहीं बनाया गया। जब वे लोकसभा चुनाव हार गए तो उन्हें 2020 में राज्यसभा जाने से भी रोकने का प्रयास हुआ, जिसका नतीजा यह हुआ कि 15 साल बाद मिली सत्ता कांग्रेस ने गंवा दी। इस बार चुनाव में ग्वालियर-चंबल संभाग के नतीजों से पता चल रहा है कि सिंधिया के होने या नहीं होने का क्या असर हुआ है। बिल्कुल यही स्थिति राजस्थान की रही, जहां अशोक गहलोत के हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। सचिन पायलट बागी हुए तो उनके प्रति लचीलापन दिखाने की बजाय उनको सबक सिखाने का फैसला हुआ। सबको पता है कि 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश अध्यक्ष के नाते पायलट ने कितनी मेहनत की थी। जाति का ही सही लेकिन एक वोट आधार बना था। इस बार के चुनावों में पूर्वी राजस्थान के नतीजों से पायलट की उपयोगिता का पता चल रहा है। अगर गहलोत अपने अहंकार और सर्वज्ञ होने की सोच में चुनाव नहीं लड़ते तो आज ये रिवाज बदल कर मुख्यमंत्री बनते। राज्य की 44 सीटें ऐसी हैं, जहां तीसरी पार्टी या निर्दलीय को हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिला है। ये सारी सीटें भाजपा ने जीती हैं और कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही है। गहलोत को भारतीय आदिवासी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी

पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों को कुछ सीटें देकर उनसे तालमेल करना था। लेकिन या तो वे इस अहंकार में थे कि वे जीत जाएंगे या यह सोचा हुआ था कि कांग्रेस को हरवा कर जाना है। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान का सार्थक हस्तक्षेप हो सकता था लेकिन दिल्ली में सब चुप रहे। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल आलाकमान बन गए और उनको जैसे मर्जी हुई वैसे उन्होंने सरकार चलाई। एक समय मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत जैसे नेताओं की कोई पूछ नहीं रही। चुनाव में भी कांग्रेस ने सब कुछ कमलनाथ, अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा था। इसके उलट भाजपा में सब कुछ नरेंद्र मोदी और अमित शाह के स्तर पर तय हो रहा था। हालांकि भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची के बाद लगा की कुछ गलत हो रहा है तो तुरंत मोदी और शाह ने लचीलापन दिखाया और प्रदेश के क्षत्रपों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया। क्या इस तरह का रणनीतिक लचीलापन कांग्रेस नेतृत्व नहीं दिखा सकता है कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार और मल्लिकार्जुन खड़गे ने सब कुछ प्रदेश नेताओं पर छोड़े रखा और प्रादेशिक क्षत्रपों के विरोधी नेताओं की कोई बात नहीं सुनी।इसे लेकर तीन तरह की थ्योरी है। पहली तो यह कि प्रादेशिक स्तर पर कांग्रेस आलाकमान ने जिनको पूरी पार्टी आउटसोर्स की थी उन्होंने किसी तरह से दिल्ली में नेताओं का मुंह बंद कर रखा था। दूसरी थ्योरी यह है कि कांग्रेस आलाकमान इतना कमजोर हो गया है कि प्रादेशिक क्षत्रप अब उसके कंट्रोल में नहीं हैं और तीसरी थ्योरी यह है कि जो संसाधन जुटा रहा था उसके हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। कमलनाथ को जैसी बेहिसाब ताकत मिली या अशोक गहलोत ने पायलट मामले में या राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के समय जैसा आचरण किया और भूपेश बघेल ने टीएस सिंहदेव प्रकरण में जैसी राजनीति की वह कुल मिला कर आलाकमान की बांह मरोड़ने जैसा था। वैसे यह सिर्फ इन तीन राज्यों का मामला नहीं है। हरियाणा से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक में कांग्रेस आलाकमान के हाथ बंधे दिखते हैं। बहरहाल, जब चुनाव लड़ना भूल जाने की बात करते हैं तो उसमें कई चीजें शामिल होती हैं। चुनाव प्रचार और रैलियां उनमें से एक है। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खड़गे की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। लेकिन यह तो सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है। बड़ा हिस्सा चुनावी नैरेटिव बनाने और उसके हिसाब से आचरण करने, चुनाव की रणनीति बनाने और उस पर अमल करने और रणनीतिक समझौते करने का होता है। इन सभी कसौटियों पर कांग्रेस का केंद्रीय और प्रादेशिक आलाकमान दोनों बार-बार विफल साबित होते हुए है। सोचें, नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शक्तिशाली नेता जरूरत पड़ने पर हनुमान बेनीवाल के लिए सीट छोड़ देते हैं कहीं आजसू के सुदेश महतो के लिए सीट छोड़ देते हैं, लोकसभा के साथ साथ राज्यसभा की सीट देकर भी लोक जनशक्ति पार्टी से समझौता करते हैं, शिव सेना तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बना देते हैं, अपनी पार्टी में ही बगावत करने वाले या चुनौती देने या विरोधी माने जाने वाले येदियुरप्पा, शिवराज, वसुंधरा, रमन सिंह, उमा भारती आदि को पर्याप्त महत्व दे देते हैं। लेकिन कांग्रेस में ऐसा लचीलापन कोई नहीं दिखाता है। ऐसे ही कांग्रेस जो विमर्श खड़ा करती है उसमें भी उसका आचरण अलग होता है। उसमें वॉक द टॉक वाली बात नहीं होती है। मिसाल के तौर पर राहुल गांधी ने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया लेकिन कांग्रेस यह दावा नहीं कर सकती है कि उसके संगठन में पिछड़ी जाति के लोग आबादी के अनुपात में हैं। तीन मुख्यमंत्री जरूर कांग्रेस दिखा रही थी लेकिन वह तात्कालिक मामला था। इसके उलट भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे, उनकी सरकार में शामिल पिछड़ी जातियों के मंत्रियों, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, विश्वकर्मा योजना, नवोदय व सैनिक स्कूलों और मेडिकल दाखिले में ओबीसी को आरक्षण देकर अपने को पिछड़ी जातियों में ज्यादा मजबूती से स्थापित किया है।

यह 'नफरत की दुकान' क्यों...

-बलबीर पुंज

हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा की 3 राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में प्रचंड विजय हुई। इससे बौखलाकर इसी राजनीतिक गठजोड़ ने देश में 'उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत' की चर्चा पुनः आरंभ कर दी। इसके संकेत कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर परोक्ष रूप से 'साऊथ' लिखकर दिए थे। डी.एन.वी. सैंथिल कुमार द्वारा हिंदी राज्यों को गौमूत्र प्रदेश कहना चिदंबरम के उसी विभाजनकारी सोच का विस्तार है। वास्तव में, द्रमुक का जन्म इसी घृणा युक्त वैचारिक अधिष्ठान में हुआ था। अंग्रेजों ने इसे भारत में अपने राज को अक्षुण्ण बनाने हेतु भारतीयों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के लिए शुरू किया था। इसी विचार के मानसपुत्र अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति हेतु आज भी उसी विषबेल को सैकुलरवाद के नाम पर सींच रहे हैं। विडंबना है कि स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने का दावा करने वाली और वर्तमान राष्ट्रीय दल कांग्रेस उसी जहरीली विचारधारा की न केवल सहयोगी बन गई है, अपितु उसका नेतृत्व भी करने को आतुर दिख रही है। देश में इस घृणा युक्त उपक्रम के कई उप-उत्पाद हैं। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में क्या हुआ यहां ट्रॉनिका सिटी में 30 नवंबर को हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद एक खुलासा किया है। इसके अनुसार, युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म उसका मजहब पूछकर किया गया था। आरोपियों की मंशा पीड़िता के साथ स्कूटी पर जा रही सहेली के साथ भी दुष्कर्म करने की थी, परंतु जब उन्हें पता चला कि वह उन्हीं के मजहब से है, तो उसे छोड़ दिया। मामले में पुलिस ने इमरान और जुनैद को मुठभेड़ के बाद, तो चांद, गोलू और सुल्तान को गिरफ्तार किया है। स्पष्ट है कि यह भयावह मामला बलात्कार रूपी जघन्य अपराध तक सीमित नहीं है। इसके पीछे की मानसिकता ही जहरीली है। अभी प्रयागराज में 24 नवंबर को क्या हुआ यहां लारेब हाशमी नामक बी.टैक के छात्र ने मजहबी नारा लगाते हुए बस कंडक्टर हरकेश विश्वकर्मा को तेजधार हथियार मारकर लहूलुहान कर दिया। उसके बाद हाशमी ने एक वीडियो बनाया और दावा किया कि उसने एक ऐसे 'काफिर' को मारा है, जिसने उसके नबी की शान में गुस्ताखी की थी। बस चालक का दावा है कि पूरा विवाद किराए की कीमत को लेकर था। बकौल मीडिया रिपोर्ट, जब लारेब को हरकेश उसके बचे हुए पैसे दे रहा था, तभी लारेब ने अपने बैग से चापड़ निकाला और 'जिहाद अभी जिंदा

है' व 'अल्लाह-हू-अकबर' नारा लगाते हुए हरकेश की गर्दन पर दनादन वार करना शुरू कर दिया। मुठभेड़ के बाद लारेब पुलिस की गिरफ्त में है। यह घटनाक्रम गत वर्ष राजस्थान स्थित उदयपुर में कन्हैयालाल की निर्मम हत्या का स्मरण कराता है, जिसमें हत्यारे मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद द्वारा भी वीडियो बनाया गया था। इस घृणा से हरियाणा भी अछूता नहीं। यहां नूंह में 16 नवंबर को कुआं पूजन के लिए जा रही महिलाएं जैसे ही शिव मंदिर जाने हेतु स्थानीय मस्जिद के आगे से गुजरीं, तभी वहां 20 से अधिक किशोरों ने उनपर पथराव कर दिया। इससे पहले इसी वर्ष 31 जुलाई को ब्रज मंडल शोभायात्रा के दौरान भी विशेष समुदाय के लोगों ने अपने घरों से पत्थर बरसाकर और लाठी-तलवारों से श्रद्धालुओं पर औचक हमला कर दिया था। तब न केवल कई वाहनों को भी फूंक दिया गया था, साथ ही नल्हड़ स्थित प्राचीन मंदिर को निशाना बनाकर गोलीबारी भी की गई थी। ऐसे ही बिहार के बगहा और मोतिहारी में 21 अगस्त को नागपंचमी के अवसर पर निकाले गए महावीरी जुलूस पर भी पथराव हुआ था। बगहा में शोभा यात्रा जैसे ही एक मस्जिद से होकर गुजरी, वहां मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया, फिर झड़प शुरू कर दी। इसी दिन राजस्थान में अलवर स्थित रामगढ़ से खाटू श्याम धाम के लिए प्रारंभ हुई ध्वजयात्रा पर भी हमला कर दिया गया था। इस दौरान पदयात्रियों की आस्था को आहत करने के लिए हमलावरों ने एक बस पर लगे पोस्टरों और बैनर को फाड़ दिया। जब बस चालक ने इसका विरोध किया, तो उसे मारा-पीटा गया। इतना ही नहीं, बस पर लगे खाटू श्याम बाबा के बैनरों को पैरों तले कुचलकर श्रद्धालुओं की भावना को भी ठेस पहुंचाने का काम किया गया था। यह घृणा केवल हिंदू शोभायात्रा पर हमलों तक सीमित नहीं है। गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र स्थित मिशनरी स्कूल के डैस्क पर सातवीं कक्षा के छात्र ने 'जय श्रीराम' लिख दिया था, तब इसे देखकर बौखलाए शिक्षक ने छात्र के मुंह पर फ्लूड लगा दिया।

सफल होना है, तो खुद की सुनो

आप जीवन के किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपके आसपास ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो आपको हर नया और जोखिम भरा काम करने को हतोत्साहित करेंगे। आसपास क्या, अपने घर में, अपने परिवार के सदस्य ही हमें जोखिम की सुगबुगाहट आते ही बोल पड़ते हैं ‌ 'देख ले छोटू, काम बहुत टेढ़ा है। सक्सेस मिली तो ठीक, पर फेल हो गया, तो कहीं के नहीं रहेंगे। कोई मदद को नहीं आएगा। तेरा अपना कमाया हुआ तो जाएगा ही, परिवार की पुश्तैनी प्रॉपर्टी भी डूबेगी।' परिवार के किसी सदस्य द्वारा इस तरह आगाह किए जाने के बाद छोटू की क्या हिमाकत जो अपने सपने को सच करने के लिए जरूरी जोखिम उठा ले। परिवार के सदस्य तो फिर भी हमारे आइडिया को निरस्त नहीं करते, पर कुछ ऐसे नामाकूल दोस्त होते हैं, जो आइडिया सुनते ही बोल पड़ते हैं ‌ अरे रहने दे यार, तेरे से नहीं होगा ये काम। तुझे स्कूल के दिनों से जानता हूं। गलती से भी इस धंधे में हाथ न डाल देना। आपको अपना आइडिया कितना ही शानदार क्यों न लगता हो, घरवाले और दोस्त उस पर सवाल उठाते ही हैं। लेकिन उनके सवाल सुन आप कब तक अपने आइडियाज की तिलांजलि देते रहोगे। आपको कभी अपने मन की भी तो सुननी चाहिए। चलिए एक कहानी से इसे समझते हैं। एक बार कुछ मेंढक एक जंगल से गुजर रहे होते हैं। जंगल में एक जगह बहुत गहरा गड्ढा है। मेंढकों के दल में से दो इस गड्ढे में गिर जाते हैं। वे गड्ढे से बाहर निकलने के लिए नीचे से ऊपर की ओर छलांगें मारना शुरू करते हैं, लेकिन चूंकि गड्ढा बहुत गहरा है, वे हर बार वापस गिर जाते हैं। ऊपर से उनके साथी मेंढक इन दोनों को देख रहे होते हैं। जब वे देखते हैं कि दोनों बार-बार वापस गिर रहे हैं, तो अपना धैर्य खो देते हैं और चिल्लाकर उन दोनों मेंढकों को बोलते हैं- अरे भाइयो, यह गड्ढा बहुत गहरा है। तुम ख्वाहमख्वाह बाहर निकलने की कोशिश कर खुद को तकलीफ दे रहे हो। बेहतर है कि नीचे जाकर पड़े रहो और अपने आप प्राण निकलने दो। तुम बाहर तो कुछ करके नहीं आ सकते। वे बार-बार चिल्लाते हैं। कुछ देर में दोनों मेंढक थककर निढाल हो जाते हैं। एक मेंढक दोस्तों की बात पर यकीन कर ज्यादा हतोत्साहित हो जाता है और गड्ढे में और नीचे पहुंचकर मर जाता है। लेकिन दूसरा मेंढक थकने के बावजूद गड्ढे से बाहर निकलने को ऊंची छलांग लगाता रहता है। आखिरकार उसकी एक छलांग मौत से जिंदगी की ओर लगाई गई छलांग साबित होती है और वह गड्ढे के किनारे जाकर गिरता है। वह दम भरने लगता है तो उसके साथी उसे घेर लेते हैं। वे उससे पूछते हैं ‌ तू पहले मेंढक की तरह नीचे गिरकर क्यों नहीं मरा। हम इतना चिल्ला-चिल्लाकर तुझे मरने को कह रहे थे। वह मेंढक दोस्तों की बात सुन थोड़ा हैरान होते हुए बोला- भाइयो, मैं थोड़ा बहरा हूं। दूर का मुझे सुनाई नहीं देता। तुम मुझे चिल्लाते तो दिख रहे थे, पर मुझे लगा कि तुम मुझे और ऊंचा कूदने को कह रहे हो। तुम्हारे चिल्लाने से ही मुझे जोश आया और मैं हर बार और ऊंचा कूदने की कोशिश करता रहा क्योंकि मुझे भरोसा था कि मैं वाकई बाहर कूद सकता हूं। गड्ढे में गिरे इन दो मेंढकों की कहानी हमें सिखाती है कि दुनिया हमें कुछ भी बोले हमें अपनी काबिलियत पर भरोसा बनाए रखना चाहिए। क्योंकि जो ऐसा करता है वह न सिर्फ मुसीबतों से बचता है बल्कि अपने लिए नए अवसर भी क्रिएट करता है। जिसे खुद पर भरोसा होता है, वह सुनता तो सबकी है, पर करता हमेशा अपने दिल की है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष — [illegible]

वृषभ — [illegible]

मिथुन — [illegible]

कर्क — [illegible]

सिंह — [illegible]

कन्या — [illegible]

तुला — [illegible]

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible]

मकर — [illegible]

कुंभ — [illegible]

मीन — [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5080

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5079

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5080

संकेत: बाएं से दाएं

1. 3 जून 1918 को मध्यप्रदेश में यहां गांधीजी की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें यहीं प्रस्ताव द्वारा हिंदी राजभाषा मानी गई (3)
4. वे यूनानी दार्शनिक जो प्लेटो के गुरु थे (4)
8. पत्ते की चौड़ाई में विभाजन, स्तंभ (3)
9. दंत पंक्तियों वाली लोहे की चौकोर कंघी, अनाज के डंठलों की झाड़ू (4)
10. मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
11. जो रिश्ते में पिता का पिता हो (2)
12. सहयोग, मदद, इमदाद (4)
14. एक भूमिगत तना जो औषधि और मसाले में प्रयुक्त होता है (4)
16. भूलना, भुला देना (4)
17. कुल, घराना, समाज (3)
18. यह इंद्र का सारथि था कहते है राम रावण के युद्ध में यही श्रीराम का सारथि था (3)
19. यह जंबू द्वीप के अरबखंड में स्थित एक देश जो 1971 में स्वतंत्र हुआ (4)
20. विजय की एक मात्र फिल्म जो एक पारिवारिक थी (2)

ऊपर से नीचे

1. मना या वर्जित करने का भाव (3)
2. धन-संपत्ति, रुपया-पैसा (3)
3. तरंग, लहर-मेल एक खिलाफ़ी महिला (2)
4. मुस्कुराने वाला, मुस्कराता (5)
5. टैक्स देने वाला, करदायक (4)
6. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
7. कहीं से काट-छांट करना (4)
12. सर्वोच्च स्थान (3)
13. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
14. घर-गृहस्थी का सामान आदि (4)
15. इस देश का पूर्व में सोमाली लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता था (2)
17. वह बाग जिसमें नार लगे हो, खड़ी (2)
18. प्रतिष्ठा, इज्जत, नापने की क्रिया (2)

वर्ग पहेली 5079 का हल

श	मे	व	ज	य	ते	■	गु
मि	ल	न	■	म	ह	सू	ल
क	न	■	ग	ज	रा	■	फा
■	है	रा	म	■	न	जी	म
म	ह	■	न	धी	■	प	■
■	ना	का	म	■	■	■	मा
क	■	म	नि	र	ज	म	■
नि	रा	श्र	■	वस	■	घा	ट

गौरव दिवस पर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की महाआरती की

नपा परिषद मंदसौर के द्वारा भव्य आतिशबाजी कर मंदसौर नगर का गौरव दिवस हर्षोल्लास से मनाया

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा कल 8 दिसम्बर को मंदसौर नगर का गौरव दिवस हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। गौरव दिवस के उपलक्ष्य में नपा परिषद द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ की अष्ठमुखी प्रतिमा क भव्य महाआरती की गई। वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की प्रतिमा की भव्य महाआरती तीन विद्वान पंडितों के द्वारा उतारी गई। महाआरती के उपरांत भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के समीप शिवना नदी की पुलिया पर आकर्षक मनमोहक भव्य आतीशबाजी की गई। मंदसौर गौरव दिवस पर नपा परिषद परिवार के द्वारा पशुपतिनाथ की प्रतिमा का कई रंग बिरंगे फूलों व पूजन सामग्री से विशेष श्रृंगार भी कराया गया। सायंकाल से लेकर रात्रि तक मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं ने पशुपतिनाा के आकर्षक श्रृंगार के दर्शन भी किये। मंदसौर गौरव दिवस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार की सस्था हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर, खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शिवकरण प्रधान, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत, शा.महाविद्याय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री धीरज पाटीदार, लेखक व साहित्यकार श्री नंदकिशोर राठौर, बंशीलाल टांक, प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी के द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की प्रतिमा को 51 कि.ग्रा. की प्रसादी का भोग लगाया गया तथा आरती के उपरांत गौरव दिवस के उपलक्ष्य में उसे पशुपतिनाथ के भक्तजनों में वितरित किया गया। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों व नपा के जनप्रतिनिधियों ने मंदसौर के गौरव दिवस पर नृत्य भी किया।

इस अवसर पर नपा सभापतिगण सत्यनारायण भांभी, निलेश जैन, निर्मला चंदवानी, रमेश ग्वाला, शांतिदेवी फरक्या, जिला योजना समिति सदस्य भारती पाटीदार, पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, पार्षदगण अनुप माहेश्वरी, विनय दुबेला, विक्रम भैरवा, सुनीता भावसार, सुनीता गुजरिया, रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, माया भावसार, राकेश भावसार, भावना पमनानी, कमलेश सिसौदिया, गोरर्धन कुमावत, दीपक गाजवा, हितेन्द्र भाटी, गरिमा भाटी, समाजसेवी राजाराम तंवर, लक्ष्मीनारायण पलासिया, कन्हैयालाल भाटी, विद्या कड़ोतिया, प्रीति रोखले, इतिहासकार कैलाशचन्द्र पाण्डेय, घनश्याम खत्री, प्रद्युमन शर्मा, पं. क्षितिज पुरोहित, अजीजुल्लाह खान, राधिका किशोर शास्त्री पूर्व पार्षद, भाजयुमो जिला महामंत्री बंटी चौहान, बंशी राठौर, दिलीप ग्वाला, कन्हैयालाल सोनगरा, पं. राकेश भट्ट, पं. रविन्द्र पाण्डेय, निर्मला गर्ग, उमा सैनी सहित नपा के अधिकारीगण कर्मचारीगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री गुर्जर एं नपा के अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक विनय दुबेला के जन्मदिवस होने पर उनका पुष्पहार पहनाकर स्वागत भी किया।

एड्स पखवाड़े के तहत सीबीएस कैम्प एवं स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अरुणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति मंदसौर द्वारा विश्व एड दिवस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। समिति द्वारा इस वर्ष की थीम है, समुदायों को नेतृत्व करने दे (लेट कम्यूनिटिज लीड) के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसके तहत शनिवार को सीबीएस कैम्प एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

आज अरुणोदय सर्वेश्वरी कल्याण समिति मंदसौर मिरेकल नर्सिंग कॉलेज, अजीज खेड़ी, यातायात थाना, बस स्टेण्ड, पर ओआरडब्ल्यू प्रीति झा व एमएण्डई नीलम बोहरा व ओआरडब्ल्यू आदिल हुसैन के द्वारा व एड दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत, 1097 के पोस्टर लगाए गए, व आईसी मटेरियल वितरित किये गए, बस, दुकान, चाय की घुमटी के बाहर भी 1097 पोस्टर लगाए गए। ट्रैफिक थाने पर भी 1097 के पोस्टर लगाए गए, व एचआईवी/एड का परिचय के पैंपलेट दिये गये, एचआईवी के 4 कारण बताये गए व उससे बचने के सुझाव बताये गए। वहाँ पर विश्व एड दिवस के पकवाड़े के अवसर पर एड एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहाँ पर स्टाफ को रेड रिबिन लगाया गया व एचआईवी के 4 कारण व उनसे बचने के सुझाव बताये गए।

ऑटो रिक्शा, बस व थाने पर 1097 के पोस्टर लगाए गए– परियोजना द्वारा पानपुर हॉटस्पॉट पर सीबीएस कैंप स्वास्थ्य शिविर शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हॉटस्पॉट पर पर एचआईवी हेपेटाइटिस की टेस्टिंग की गई रंगोली बनाकर एचआईवी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया है उन्हें एचआईवी एड फैलने के कारण एवं बचाव के तरीके भी बताए गए बताओ उन्हें एसटीआई के बारे में भी बताया गया एचआईवी एड के बारे में कोई भी जानकारी लेना हो तो आप 1097 पर कॉल करके ले सकते हैं उसके पश्चात लैपटॉप के द्वारा शॉर्ट फिल्म दिखाई गई जिसमें जागरूकता का संदेश दिया गया कैंप में प्रोग्राम मैनेजर शैलेंद्रसिंह भाटी, डॉ. भगतराम पाटीदार, काउंसलर प्रियंका शर्मा, अंजली मालवीय, लैब टेक्नीशियन नूर मोहम्मद मौजूद रहे।

दशपुर रंगमंच ने मंदसौर गौरव दिवस उत्साह व उमंग के साथ मनाया

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा गौरव गान व राष्ट्रीय गीतों के साथ मंदसौर गौरव दिवस उत्साह व उमंग के साथ मनाया।

गौरव दिवस समारोह का आगाज आबिद भाई ने होठों पर सचाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है गीत से किया। हरिश लक्कड़ ने छोड़ों कल की बातें, कल की बातें पुरानी गीत गाकर देश को नई उन्नति के रास्ते पर ले जाने की बात कहीं। आरक्षक नरेन्द्र सागोरे ने मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती गाकर देश की मिट्टी का यशोगान किया। स्वाति रिछावरा ने है प्रीत जहां की रीत सदा मैं गीत वहां के गाता हूँ की प्रस्तुति दी। कवि नन्दकिशोर राठौर ने गौरव दिवस हेतु विशेष रूप से स्वरचित गीत दशपुर के लोगों आओ दुल्हन सा नगर सजाओ गाकर गौरव गान की प्रस्तुति दी। सतीश सोनी ने जहां डाल-डाल पर सोने की चीढ़िया करती है बसेरा गीत गाकर देश की महिमा का वर्णन किया। राजा भैय्या सोनी ने ये देश है वीर जवानों का व हिमांशु वर्मा ने मेरा रंग दे बसंती चोला की प्रस्तुति दी। तेजकरण चौहान ने गीत गाया धरती सुनहरी अम्बर नीला । कार्यक्रम संयोजक अभय मेहता ने ए वतन-ए वतन हमको तेरी कसम गीत गाकर देश के प्रति अखण्ड निष्ठा प्रकट की। आयोजन के दिन प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र का जन्मदिवस भी होने पर सतीश सोनी व नरेन्द्र सागोरे ने उनकी ही फिल्म का गीत ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे व हिमांशु वर्मा ने पल-पल दिल के पास गीत गाकर धर्मेन्द्र के दीर्घायु जीवन की कामना की। संचालन अभय मेहता ने किया एवं आभार ललिता मेहता ने माना।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टेंयरिंग कमेटी का गठन

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन ने प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन को दिशा एवं मार्गदर्शन देने तथा उसकी मॉनिटरिंग के लिये राज्य स्तरीय स्टेयरिंग कमेटी का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है।

समिति में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, राजस्व, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण, आदिम जाति कल्याण, सदस्य होंगे। आयुक्त कृषि को नोडल अधिकारी बनाया गया हैं। समिति विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन से जुडे विभिन्न पहलुओं पर सभी आवश्यक निर्णय लेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा की सतत मॉनिटरिंग तथा फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए सात कोर समूह भी गठित किये गये हैं। अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण तथा कृषि, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व, सचिव, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण, आयुक्त स्वास्थ्य, आयुक्त कृषि कोर समूह समय-समय पर प्रगति की समीक्षा कर राज्य स्तरीय स्टेयरिंग कमेटी को आवश्यक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

स्टैंडर्ड प्रमाण पत्र मिलने से जिला चिकित्सालय सिर्फ कागज में विश्वसनीय हुआ, अगर सेवाएं बेहतर तो फिर मरीज क्यो होते है रेफर-भाटी

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाये हमेशा से ही सवालो के घेरे में रही है। आम नागरिक छोटी मोटी स्वास्थ्य समस्यायो के इलाज के लिये अस्पताल पहुंचते है लेकिन उन्हें समुचित स्वास्थ्य सेवाये मिलने की बजाय उन्हें इंदौर या उदयपुर सहित बाहर रेफर कर दिया जाता है। मंदसौर जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओ को सुधारने की बजाय मंदसौर जिला चिकित्सालय को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैण्डर्ड प्रमाण पत्र मिलने पर हर्ष प्रकट करना समझ से परे है। प्रत्येक मंदसौरवासी चाहता है कि जिला चिकित्सालय मंदसौर की व्यवस्था धरातल पर मजबूत हो लेकिन जिला चिकित्सालय सिर्फ कागज में पास होकर प्रबंधन अपनी पीठ थपथपा रहा है।

यह बात जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता सुरेश भाटी ने कही। उन्होनें कहा कि मंदसौर प्रतिदिन मंदसौर जिला चिकित्सालय से अनेक मरिज मामूली बीमारियो एवं छोटी मोटी स्वास्थ्य समस्याओ के निराकरण नही होने पर उन्हें रेफर कर दिया जाता है या फिर उन्हें बाहर अन्य अस्पतालो में इलाज हेतु सजेस किया जाता है। मंदसौर जिला चिकित्सालय में इक्का दुक्का डॉक्टर ही अपने दायित्वो का सही प्रकार से पालन करते हुये मरिजो को स्वास्थ्य सेवाये दे रहे है। मंदसौर सीविल अस्पताल में मरिजो को मुफत जांचो का लाभ नही मिल पाता है और ना ही समय पर इलाज। यह हालात कई सालो से मंदसौर जिला चिकित्सालय में बने हुये है। श्री भाटी ने मंदसौर जिला चिकित्सालय को स्टैडर्ड प्रमाण पत्र मिलने पर आश्चर्य प्रकट करने के साथ ही अस्पताल प्रबंधन को शुभकामनाये देते हुये उन्हें कागज में जो तय मापदंड के आधार पर मार्किंग मिली है उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ ही जिला चिकित्सालय के सीविल सर्जन भले ही अपनी पीठ स्टैंडर्ड प्रमाण पत्र मिलने पर अपनी पीठ थपथपाये लेकिन जब तक मंदसौर नगर सहित जिले वासियो की ओर से अच्छी स्वास्थ्य सेवाओ के प्रति संतुष्टी भाव नही आयेगा तब तक यह प्रमाण पत्र हथेली पर हाथी दिखाने वाला ही कहा जा सकता है।

नपा में नेशनल लोक अदालत लगी नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निरीक्षण किया

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को नपा कार्यालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने इस मौके पर नपा कार्यालय पहुँचकर लोक अदालत का निरीक्षण किया और लोक अदालत की व्यवस्थाओं के संबंध में प्रभारी राजस्व अधिकारी व सम्पत्तिकर शखा, जलकर शाखा के कर्मचारियो से चर्चा की और लोक अदालत की व्यस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर विनय दुबेला, राजेश गुर्जर, कन्हैयालाल सोनगरा, नरेन्द्र बंधवार नंदलाल गुजरिया भी राजस्व शाखा में उपस्थित थे। नपा परिषद द्वारा इस लोक अदालत में सम्पत्ति कर, समेकित कर , स्वच्छता कर, जलकर की बकाया राशि पर शासन के नियमानुसार 25,50 व 75 प्रतिक्षत की छुट प्रदान की गयी। प्रात 10.30 बजे से सांय 5 बजे तक नपा कार्यालय में लगायी गयी। इस लोक अदालत में नगर के कई नागरिको ने पहुँचकर शासन के द्वारा दी गयी अधिभार पेनल्टी में छुट का लाभ लिया।

एनडीए से दीक्षित हुए हर्षवर्धन सिंह फ्लाईग ऑफिसर बनने से हर्ष व्याप्त

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के होनहार छात्र हर्षवर्धन सिंह शक्तावत भारतीय रक्षा अकादमी से दीक्षित होकर भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर नियुक्त हो चुके है। मंदसौर जिले के लिए यह एक गौरव का क्षण है।

30 नवंबर को पुणे में राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू के सम्मुख देश सेवा की कसम खाने वाले हर्षवर्धन के माता पिता और उनके पारिवारिक मित्र उनकी इस सफलता से उत्साहित है। हर्षवर्धन सिंह के पिता जसवंत सिंह शक्तावत मलेरिया विभाग में कार्यरत है जबकि माता प्रमिला सिंह एक गृहणी है। श्री शक्तावत मूल रूप से बरखेड़ा पंथ मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के रहने वाले है। अपने बेटे की पढ़ाई में रुचि को देखते हुए मंदसौर में निवास करते हुए अपने बच्चो को पढ़ाया। जबकि वायु सेना मे सेवा देने की प्रेरणा इनको अपने काकाश्री भरतसिंह शक्तावत से मिली, जो स्वयं भी भारतीय सेना में सेवा दे चुके है। हर्षवर्धन सिंह ने भी अपने माता पिता और परिजनों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया। उनकी इस सफलता में देश सेवा का जज्बा होना भी बहुत महत्वपूर्ण कारक है। पिता जसवंत सिंह के मित्रों और रिश्तेदारों में हर्षवर्धन की सफलता पर हर्ष की लहर व्याप्त है।

बेमिना इलाके में पुलिसकर्मी को आतंकियों ने मारी गोली, सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

श्रीनगर, 9 दिसम्बर। शनिवार को आतंकियों ने कायराना हरकत को अंजाम दिया है। दहशतगर्दों ने बेमिना के हमदानिया कॉलोनी में पुलिसकर्मी पर गोलीबारी की। घायल जवान की पहचान मोहम्मद हाफिज के तौर पर हुई है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती गया है।

हाफिज को लगी दो गोली– हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया है। वहीं पुलिस ने जानकारी दी है कि मुहम्मद हाफिज को एक पेट और एक बाजू में गोली लगी है। फिलहाल डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। गोली की आवाज सुन इलाके में दहशत फैल गई। घबराए लोगों में भगदड़ बच गई। सभी खुद को सुरक्षित करने के लिए छिपते दिखाई दिए। वहीं वारदात को अंजाम देकर आतंकी मौके से भागने में कामयाब रहे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसके बारे में सूचना दी।

श्रीनगर में क्रिकेट खेल रहे पुलिस इंस्पेक्टर पर आतंकी ने बरसाई थी गोलियां– बता दें कि इससे पहले श्रीनगर के ईदगाह इलाके में क्रिकेट खेल रहे इंस्पेक्टर पर भी आतंकियों ने गोलियां बरसाई थीं। जिसमें घायल इंस्पेक्टर मसरूर अहमद वानी की 39 दिन चले उपचार के बाद सात दिसंबर को दिल्ली के एम्स में मौत हो गई।

इंस्पेक्टर को दागी गई थीं तीन गोलियां– 29 अक्तूबर, रविवार के दिन पुलिस इंस्पेक्टर मसरूर अहमद श्रीनगर शहर के ईदगाह के खेल मैदान में क्रिकेट खेलने के लिए पहुंचे थे। खेल के बीच आतंकियों ने उन्हें करीब से निशाना बनाते हुए एक के बाद एक तीन गोलियां दागीं। हमले को अंजाम देकर आतंकी मौके से भाग निकले।

विश्व एड्स दिवस पर दी जानकारी

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एड्स दिवस को पखवाड़े के रूप में डॉ. जी.एस.चौहान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं डॉ. निशांत शर्मा नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में मनाया जा रहा है। विश्व एड दिवस पर इस वर्ष की थीम समुदायो को नेतृत्व करने दे के आधार अलग- अलग समुदायों में जाकर एडपर बातचीत की जा रही है। जिला एड रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई द्वारा टॉक ऑन एच.आई.वी./ एड कार्यक्रम के अंतर्गत सोनिक बायोकेम एक्स -ट्रेक्शन प्रा.लि. टोल नाका पिपलिया मण्डी में वहॉ कार्यरत स्टाफ को एडपर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में श्री राजेश रजक जिला पर्यवेक्षक ने बतलाया कि एच.आई.वी./एडक्या होता है। हम सभी की इसकी रोकथाम में क्या भूमिका है। जैसे कि समस्ती गर्भवती महिलाओं को प्रथम तिमाही में अपनी एच.आई.वी. की जॉच अपने नजदीक के अस्पताल में संचालित आई.सी.टी.सी./ एफ आई.सी.टी.सी. में करा लेना चाहिए। जिससे होने वाले शिशु को संक्रमण से बचाया जा सकता है। वयस्कत व्यलक्तियों को भी स्वेच्छिक रूप से अपने एच.आई.वी. स्टेटस का पता कर लेना चाहिए। एच.आई.वी. की जॉच एवं परामर्श शासकीय अस्पसतालों मे नि:शुल्क उपलब्ध है। अपने जीवन साथी के प्रति वफादार रहे। सुई / सीरिज के साझा उपयोग से बचे। ब्लेड की आवश्यकता होने पर प्रमाणित ब्लड बैक से ही ब्लड लेना चाहिए। संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। आवश्यक होने पर निरोध का उपयोग करने। निरोध हमें अनचाहे गर्भ से , यौन रोगो से एवं एच.आई.वी. के संक्रमण से बचाता है। एच.आई.वी./ एड की अधिक जानकारी के लिए हेल्प लाइन नम्बर 1097 डायल कर प्राप्त कर सकते है।

इस अवसर पर श्री अम्बाराम सोलंकी एच.आर. मैनेजर, श्री पंकज शर्मा कैशियर, श्री सुनील गुप्ता, श्री लक्ष्मण सिंह चौहान, श्री अभिलाष ठाकुर, श्री वीरेन्द्र सिंह तोमर, श्री अंकित शर्मा, श्री आशीष पाटीदार लेबटेक्निशियन , श्रीमती अंतिम वाला जैन काउंसलर आई.सी.टी.सी. मल्हारगढ़ एव स्टाफ उपस्थित था।

अभा साहित्य परिषद की प्रादेशिक काव्य गोष्ठी गूगल मीट पर संपन्न

राष्ट्रीय साहित्य अधिवेशन 19 से 21 दिसंबर को भुवनेश्वर में होगा-त्रिपुरारीलाल शर्मा

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद मालवा प्रांत की प्रादेशिक काव्यगोष्ठी त्रिपुरारीलाल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। आपने प्रान्त के समस्त जिलों के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुवे कहा कि साहित्यिक गतिविधियों द्वारा अपने क्षेत्र में प्रेम व सदभावना की ज्योत जलाए रखे, साथ ही आपके साथ राष्ट्रीय अधिवेशन में उड़ीसा जा रहे अखिल भारतीय साहित्यिक अधिवेशन के समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाओं के साथ दिशा निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि मंदसौर गौरव दिवस पर श्री नंदकिशोर राठौड़ ने दशपुर गौरव गान की रचना एवं गायन कर साहित्य परिषद का नाम गौरवान्वित किया है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में जाने वाले दल के साथ अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर के सचिव नंदकिशोर राठौर भी उड़ीसा के भुवनेश्वर में अपनी साहित्यिक प्रस्तुतियां देंगे।

काव्यगोष्ठी का संचालन मंदसौर के वरिष्ठ साहित्यकार नरेंद्र भावसार ने करते हुवे सर्वप्रथम भेरूसिंह चौहान को सरस्वती वंदना के लिए आमंत्रित किया आपने अपनी रचना हे हंसवाहिनी ज्ञान का दीप जला दो, मानवता का पाठ पड़े सब ऐसा मंत्र बता दो गीत के साथ काव्यगोष्ठी का आगाज़ किया। बड़नगर से प्रमोद पंचोली ने बालगीत बबलू-मुनियाँ पूछ रहे, सूरज दादा क्या हमको बतलाओगे, हुवे बहुत दिन आये नही कितने दिन छुट्टी मनाओगे रचना का पाठ किया। खरगोन के हीरालाल तिरोले ने:राम राज्य लाना है तो राम काज करना होगा, राम नही बन सकते तो रामदूत बनना होगा गीत गाया। इंदौर से लाल जादवानी ने हम ख्यालों से ही होती है दोस्ती कविता सुनाई। गोपाल बैरागी ने मनुष्य की महानता को बतलाते हुवे सुई से चन्द्र फतह तक की यात्रा कविता में पिरोई। सुरेश सरल ने गांवों का महत्व बताती मेरे गांव में मथुरा काशी कविता पढ़ी। देवास से राजभवरसिंह संधव ने राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत गीत हम इंडिया को हिंदुस्तान करेगे सुनाकर काव्य गोष्ठी को नई उंचाई प्रदान की। विजय शर्मा खलघाट ने श्रृंगारिक रचना श्रृंगार बिना भी लगती तू सुंदर प्रिये का पाठ किया वही मंदसौर के हास्य कवि नरेंद्र भावसार ने हास्य के माध्यम से पत्नी का दूसरा पहलू बताते हुए कहा कि श्रीमती जी हमारी नए-नए पकवान बना रही थी और बड़े प्यार से हमें खिला रही थी श्रीमती जी को नई कर खरीदना थी इसलिए हमें पटा रही थी बिलासपुर से श्रीमती चन्द्रकला सिंह ने अकेलेपन के दर्द को बयां करते हुए कहा की मुझे प्यार नहीं असल मे मुझे साथ चाहिए गीत सुनाया। श्रीमती रेखा वर्मा ने मां की व्यथा बेटे के घर आने पर घर के निर्जीव टेबल, सोफा तक मे जान आने की पीड़ा बताकर वाहवाही बटोरी। पुल्किता आनन्द झाबुआ ने अपनी रचना में नया प्रयोग नींद अच्छी श्रोता के साथ किया। ओमप्रकाशजी ने दाता की ताकत से बिन पतवार नोका पार लगती है रचना पढ़ी। खरगोन से अजय मुजाल्दे ने दफ़्तर की ज़िंदगी फाइलों में कटती कविता पढ़ी। सनावद के किशोर चोलकर ने गजल धन का गुमान सुनाई वही सुरेंद्र सेंधव ने प्रकृति का सुंदर चित्रण करते हुवे गीत चल पंछी तू घर अपने अब सांझ हुई है जाती, ये दिवस अंत की बेला प्रस्थान गीत है गाती सुनाया। सुनील चोरे खण्डवा ने जीवन के इस पथ पर चल पैदल कविता पढ़ी। चंदा डांगी ने अपनी रचना के माध्यम से देश की बेटियों को चक्रव्यूह में नही फसने की सलाह दी। दिलीप शर्मा देवास द्वारा गीत खिलौना रही है यह जिन्दगी सब ने इससे खेला है गाकर एक नया माहौल बनाया। शाजापुर की कविता पुणतांबेकर दुआए साथ रख लो तो दवाएं काम आएगी रचना सुनाई।अजय डांगी ने कोख में बच्चा मार्मिक रचना सुनाई। मकन सिंह खपेड़ ने शीत ऋतु पर रचना पढ़ी। अंत मे अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ त्रिपुरारीलाल शर्मा ने पीड़ा ने मुझसे स्वयं कर लिया स्वंयम्बर रचना का पाठ कर खूब दाद बटोरी।

मामला दी जीवाजीराव शुगर मील दलौदा की जमीनों की अफरा तफरी का...

सुप्रीम कोर्ट में लगाई जाएगी याचिका

दलौदा के समाजसेवी अनवर शाह के पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने दर्ज किया

मंदसौर/दलौदा, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दी जीवाजीराव शुगर मील कंपनी लिमिटेड दलौदा को लीज पर दी गई शासकीय विवादित भूमियो पर 75 प्रतिशत भूमी पर कब्जा करके फसले बोए जाने पर कब्जा हटाने के लिए जन सुनवाई में कलेक्टर मंदसौर को आवेदन देने पर कोई कार्यवाही नही होने पर चीफ सेकेटरी मध्यप्रदेश शासन को 23 पेज की याचिका प्रेषित की व सुप्रीम कोर्ट ऑफ इडिंया को भी पत्र लिखा, जहां पत्र को दर्ज कर लिया गया है। वहां से कुछ अन्य जानकारियां भी आई है।

दरअसल दी जीवाजीराव शुगर मील दलौदा को लीज पर दी गई शासकीय 366 बीघा 18 बिस्वा भूमियों का मध्यप्रदेश शासन एवं दी जीवाजीराव शुगर मील दलौदा व अन्य पांच के बीच सुप्रीम कोर्ट में पिटिशन फार स्पेशल लिव टू अपील (सी) नम्बर 4493/2019 चल रही है। जिसमें शुगर मील के पक्ष में कोई भी स्थगन आदेश या कब्जा आदेश नही हुआ है और जमीन मध्यप्रदेश शासन के स्वामित्व की है। इस 366 बीघा 18 बिस्वा भूमी में से लगभग 75 प्रतिशत भूमियों पर अवैध कब्जा करके पहले सोयाबीन की फसल बोई गई थी। कोई कार्यवाही नहीं होने पर इसके पश्चात गेहु और अन्य फसले बो रखी है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस जन समस्या निवारण प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सचिव एवं समाजसेवी अनवर शाह दलौदा ने बताया कि उक्त लीज की भूमियों पर से अवैध कब्जा हटाया जाए, इस हेतु कलेक्टर मंदसौर की जनसुनवाई में 5 मार्च 2023 को आवेदन प्रेषित किया गया था व प्राप्ति रसीद में शिकायत क्र 32 दर्ज है। आवेदन एसडीएम मंदसौर को प्रषित किया था। कोई कार्यवाही नही होने पर सूचना के अधिकार का आवेदन एसडीएम कार्यालय को 30 सितंबर 2023 को स्पीड पोस्ट से प्रेषित किया गया। किन्तु आज दिनांक तक कोई जानकारी नहीं दी गई। जिस पर से चीफ सेकेटरी मध्यप्रदेश शासन को 23 पेज की याचिका प्रेषित की, जिसके पश्चात सुप्रीम कोर्ट ऑफ इण्डिया को आवेदन पत्र डाक से प्रेषित किया गया।

ग्वालियर स्टेट ने लीज पर दी थी जमीन...

श्री शाह ने आवेदन में लिखा कि उक्त शुगर मील दलौदा की स्थापना के लिए तत्कालीन ग्वालियर शासन ने 366 बीघा 18 बिस्वा भूमिया अर्जित करके शुगर मील को शर्तों के साथ दी। इसका इकरारनामा लिजडीड 21 जनवरी 1945 को मेनेजर शुगर मील दलौदा व नायाब सुभा जिला मंदसौर के बीच इकरार नामा (एग्रीमेंट) हुआ। इसमें यह शर्त है कि लगान वक्त पर अदा करना होगा, खिलाफ अर्जी जापता वसुली होगी, मियाद पट्टा ताकायमी कारखाना व इमारत होगी, अन्दर मियात पट्टा लगान में वृद्धि नही होगी। कारखाना बंद होने पर जमीन वापस करनी होगी और इसके लिए एहकाम दफा 40 कानून उसुल आराजी काबिल पाबंदी होगी। यह आराजी मुताबिक कानून उसुल आराजी जिस काम के लिए दी गई है, उसी कार्य में इस्तेमाल करना होगी। इस बारे में राज्य नियमों की तामिल व पाबंदी अनिवार्य होगी। स्टाम्प सहित इकरारनामा बना।

राज्य शासन ने लिखा था. ऋण स्वीकृत करने हेतु पत्र...

इसके पश्चात मध्यप्रदेश शासन के अपर सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने 17 जुलाई 1986 को सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया को पत्र लिखा की कंपनी के कार्य संचालन के लिए राज्य शासन बैंक को 65 लाख रूपये की गारंटी देने को तैयार है। शर्ते बैंक से परामर्श कर निर्धारित की जाएगी। बैंक ने 65 लाख रूपये का ऋण उपलब्ध करा दिया।

सिर्फ आंजना कंसट्रक्शन का टेण्डर आया, जिसे स्वीकार कर लिया...!

वर्ष 1995 में मील बंद होने के पश्चात भी ऋण नहीं चुकाने पर बैंक ने ऋण वसुली अधिकरण जबलपुर में वाद लगाया। इस पर से ऋण वसुली अधिकरण के रिकवरी अधिकारी ने 17 नवंबर 2006 को नई दुनिया समाचार पत्र में सम्पतिया विक्रय हेतु विज्ञापन प्रकाशित करवा दिया। इस विज्ञप्ति के मान से मात्र एक टेण्डर मेसर्स आजंना कंस्ट्रक्शन केसुंदा तहसील छोटी सादड़ी राजस्थान का प्राप्त होने पर मात्र एक टेण्डर आने पर नीलामी की कार्यवाही बंद कर दी व आंजना कंस्ट्रक्शन को सेल सर्टिफिकेट जारी कर दिया। जबकि, नियम अनुसार उक्त: सम्पत्तियों को पब्लिक में प्रचार-प्रसार करके नीलाम करना थी। इसके अलावा अधिकारिक लिक्विडेटर को नीलामी में संयुक्त रूप से रिकवरी आफिसर के साथ मिलकर संयुक्त रूप से नीलामी की कार्यवाही करना थी। कम्पनी की फेक्ट्री बिल्डिंग (इन लिग) बैच दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने पेरा-17 का आयोजन किया है। कम्पनी न्यायालयों को निर्देश दिया है कि अधिकारी लिक्विडेटर के साथ मिलकर प्रतिनिधित्व किया जायें। अधिकारीक परिसमापक को बिक्री की प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है, जिससे कि उचित मूल्य प्राप्त हो। उक्त मील भूमियों की नीलामी नियमानुसार नहीं होने के कारण ही परिसमापक अधिकारी दी जीवाजी राव शुगर कम्पनी लि. उच्च न्यायालय म.प्र एवं छतीसगढ स्टेट इंदौर की और से दलौदा तह. में नामातंरण की कार्यवाही में आपत्ति 03 अक्टूबर 2011 को प्रेषित की थी।

बैंक को जमीन बेचने का अधिकार नहीं, मील मालिकों ने अधिकारियो से मिलीभगत कर शासकीय भूमि की बजाय राजस्व रिकार्ड में चढ़वाया था अपना नाम

मिली भगत से राजस्व रिकार्ड में चढ़वाया भूमि स्वामी...

उक्त मील की भूमियों को मील के कारिंदों द्वारा अधिकारियों से मिलकर राजस्व अभिलेखों में अपने मनमाने ढंग से इंटर पोलेशन करवा लिया। जिसका कोई वैधानिक आधार कम्पनी के पास नही है। राजस्व इंट्री अभिलिखित होती है तो ऐसी इंट्री का कोई महत्व नहीं होता। कम्पनी की स्थिति लीज होल्डर व पट्टा हित ग्राही से ज्यादा कोई अधिकार नहीं है। शाह ने कलेक्टर मंदसौर को पत्र लिखकर मांग की थी की राजस्व अभिलेखों से भूमि स्वामी कटवाकर शासकीय भूमि इंद्राज की जायें। सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया ने शाह को 22 नवंबर 2023 के पत्र में जानकारी प्रेषित की। जिसमें लिखा है कि आपके पत्र को रजि. कर लिया गया है। जिसका क्र. 56437 एमसीआई/पीआईएल (ई) 2023 के रूप में दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाईट पर देखा जा सकता है। यह भी लिखा की आपका आवेदन नियमानुसार नहीं होने पर पत्र प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर आदेश के लिए नियमानुसार याचिका दाखिल की जा सकती है। कृपया आदेश हेतु याचिका प्रस्तुत करें।

भूमियों को शासकीय घोषित कर दलौदा विकास में किया जाए उपयोग...

श्री शाह ने बताया कि उक्त मील की शासकीय भूमियों पर हजारों की संख्या में ग्रामवासी निवास करते है व छोटे मोटे व्यवसाय भी दुकानों व घुमटियां लगाकर अपना छोटा मोटा व्यवसाय करते है। उक्त मील की भूमियों से जनहित जुड़ा हुआ है। इसलिये नीलामी में रतलाम के शुभम मंगलम को मशीनरी स्क्रेप 3 करोड़ 28 लाख 2 हजार रूपये में बेची गई है। उस राशि से बैंक का ऋण चुकाया जाए व मील की शासकीय भूमियों को बंधक से मुक्त करवाया जाये। इस मील की भूनियों को ग्राम विकास के लिए ग्राम पंचायत दलौदा चौपाटी के अधिनस्थ करवाया जाये। इस कार्य हेतु सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया में शीघ्र न्याय के लिए नियमानुसार आदेश हेतु याचिका दायर करेंगें।

अयोध्या में श्री राम मंदिर के उद्घाटन 22 को बड़े बालाजी मंदिर पर होंगे भव्य आयोजन

मंदिर समिति इस दिवस को आनन्द महोत्सव के रूप में मनायेगी

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री बड़े बालाजी मंदिर पुराना बस स्टैंड मंदसौर पर 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर उद्घाटन को महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन बालाजी मंदिर पर भव्य आयोजन होंगे।

उक्त जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया की लगभग 500 वर्षों के बाद भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है और यह सनातन भक्तों को समर्पित होगा। इसी खुशी के स्वरूप मंदिर समिति 22 जनवरी को प्रात: से संध्या तक उत्सव आनंद महोत्सव मनाया जाएगा। जिसमे हरिहर भक्त मंडल उज्जैन द्वारा सुंदरकांड व उद्घाटन के समय भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता व बालाजी महाराज की भव्य शाही महाआरती होगी। महाआरती में ढोल धमाके आतिशबाजी व कई भव्य रंगारंग सांस्कृतिक आयोजन होंगे। मंदिर समिति ने सभी बालाजी भक्तों से आग्रह अनुरोध किया है कि उत्सव के इस अवसर पर सभी नगरवासी अपनी सहभागिता करते हुए 22 जनवरी को शाम को सभी अपने अपने घर पर 11 दीपक व विद्युत सज्जा करें। समस्त भक्तगणों से 22 जनवरी को मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील मंदिर समिति के विनय दुबेला, जितेंद्र व्यास, वर्दीचन्द कुमावत विनोद रूनवाल, हेमंत सुरा, अनूप माहेश्वरी, अनिल सुराह, महेंद्रसिंह

सिसोदिया, सज्जनलाल खमेसरा, कपिल सोलंकी, हरीश साल्वी व समस्त सदस्यों द्वारा की गई।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण आज से

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जाएगा। अभियान में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने संबंधित सीएमएचओ, सिविल सर्जन और जिला टीकाकरण अधिकारियों को एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने निर्देश दिए हैं। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी तथा अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार एवं काले धन का पुतला दहन

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सी फॉर कांग्रेस अर्थात सी फॉर करप्शन का जन्म-जन्म का साथ एक बार फिर देश के सामने उजागर हुआ है। 6 दिसबंर 2023 को आयकर विभाग ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के घर सहित अनेक स्थानों पर छापेमारी कर अनैतिक रूप से गरीब वर्ग का हक मारकर 300 करोड़ से भी अधिक नगद राशी को जप्त किया है। इतनी बडी राशि को नगद देखकर आयकर विभाग की टीम ने मशीनों का उपयोग कर नोटो की गिनती की और इन्हे 157 बैंग में भरा जब बैग कम पड़ गये तो और नोटो को अन्य बेगों में भरकर ट्रक में डाल कर बैंक में ले जाया गया। उक्त आरोप लगाते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा कि धीरज प्रसाद साहू 2009 से अभी 2023 तक लगातार कांग्रेस की और से सांसद के रूप में राज्यसभा में पंहुचे है। पूर्व में भी श्री साहू कांग्रेस में प्रदेश स्तर के महत्वपूर्ण पद पर रह चुके है। इन्हे प्रदेश में कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में देखा जाता है। खबरे रहती है की राज्य में होने वाले किसी भी चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के चयन में इनकी तूती बोलती है। इतनी भारी मात्रा में नगद राशि उनके निवास सहित

अन्य संस्थाओं से बरामद होना इस बात का प्रमाण है की इस राशि का उपयोग कांग्रेस पार्टी अपने अनैतिक कार्यो के लिये करती है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की कई योजनाएं जमीनी स्तर पर गरीब वर्ग को लाभान्वित कर रही है। वही कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ लुट खसोट के लिये सत्ता प्राप्ति का मार्ग ढूंढती रहती है। आज कांग्रेस के इस भ्रष्टाचारी चरित्र के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कालेधन का पुतला जलाया गया।

पुतला दहन कार्यक्रम में सहकारिता प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, भाजपा जिला महामंत्री राजेश दीक्षित, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, राजेश नामदेव, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी निलेश जैन, प्रकोष्ठजिला संयोजक पुलकित पटवा, विनय दुबेला, गणेश फगवार, मोर्चा जिला महामंत्री बंटी चौहान, महेन्द्र परिहार, दलपत सिंह डांगी, नपा.पार्षदगण सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, नंदलाल गुजरिया, विक्रम भैरवा, दीपक गाजवा, अनूप माहेश्वरी, नगेन्द्र सिंह चौहान, मनोज जैन, अजीजुल्लाह खान, भाजपा मंडल महामंत्री रॉकी यादव, नितिन ब्रिजवानी, दिलीप ग्वाला, बंशी राठौर, आकाश निगम, अरूण भावसार, भेरूलाल साहू, इमरान अब्बासी, अनिल पाटीदार, कपिल देवडा, नितिन कोठारी, गौरव प्रजापत, देवेन्द्र मरच्या, संजय राठौर, संजय राठौर, प्रकाश जोशी, देवेंद्र मालवीय, आरीफ भाई, अखिलेश मलकानी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

शिवना में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिये नपा ने लगाए फव्वारे

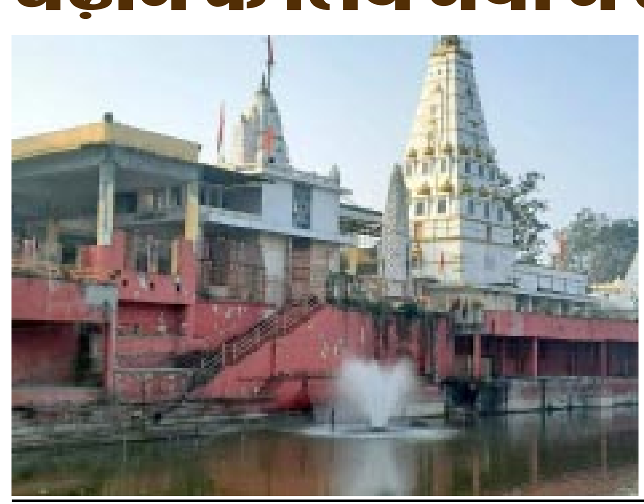

मंदसौर, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शिवना नदी के जल में ऑक्सीजन की मात्रा बनी रहे और मछलियों सहित अन्य जलीय जीव जन्तुओं को ऑक्सीजन की कमी के कारण मृत्यु न हो। इसके लिये नपा ने पशुपतिनाथ मंदिर के समीप शिवना नदी में दो फव्वारे लगवाये है।

इससे ऑक्सीजन की कमी शिवना नदी के जल में नहीं होगी ओर मछलियों के मरने की जो स्थिति बनती है, वह निर्मित नहीं होगी। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह के निर्देश पर यहां फव्वारे लगाने का कार्य नपा की टीम द्वारा किया गया। इससे शिवना नदी में पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ी है।

साल की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत सम्पन्न

नारायणगढ़, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तहसील न्यायालय नारायणगढ़ में इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत संपन्न हुई। उक्त जानकारी बार एसोसिएशन के सचिव अरविंद पाटीदार 'एडवोकेट' द्वारा देते हुए बताया गया है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्रीमान अजीत सिंह व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व न्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत के मार्गदर्शन एवं तहसील विधिक सेवा समिति, नारायणगढ़ अध्यक्ष व न्यायाधीश श्री सौरभ कुमार सिंह के मार्गदर्शन में इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 दिसंबर 2023, शनिवार को तहसील न्यायालय परिसर नारायणगढ़ पर रखा गया जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।

इसके लिए दो खंडपीठों का गठन किया गया, जिसमें प्रीलिटीगेशन के न्यायालय में लंबित आपराधिक परक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के चेक बाउंस संबंधी, धन वसूली संबंधी, भरण पोषण प्रकरणों को निराकरण के लिए रखा गया, जिसकी सुनवाई के बाद खंडपीठ के पीठासीन अधिकारियों द्वारा निराकरण कर पक्षकारों को लाभान्वित किया गया। इस लोक अदालत में श्री सौरभ कुमार सिंह प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, खंडपीठ क्रमांक 26 के न्यायालय में कुल 39 प्रकरण हुए। इसी प्रकार श्रीमती साक्षी प्रसाद द्वितीय खंड न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, खंडपीठ क्रमांक 27 के न्यायालय में कुल 35 प्रकरणों पर राजीनामा हुआ। तहसील न्यायालय नारायणगढ़ में लोक अदालत को सफल बनाने में अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री एम.सैयद मंसूरी, बार सचिव श्री अरविंद पाटीदार सहित समस्त अधिवक्तागण, लोक अभियोजन अधिकारी श्री बिहारी बघेल, थाना प्रभारी मल्हारगढ़ श्री राजेंद्र पंवार, थाना प्रभारी पिपलियामंडी श्री नीरज सारवान, सामाजिक कार्यकर्ता, भारतीय स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, बी.एस.एन.एल. के प्रतिनिधि व न्यायिक कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

कल आ रहा एक नया पश्चिमी विक्षोभ, मौसम पर यह होगा असर

भोपाल, 9 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तूफान मिचौंग का असर समाप्त हो चुका है। हरियाणा एवं अरब सागर पर हवा के ऊपरी भाग में बने चक्रवात भी समाप्त हो चुके हैं। हालांकि पूर्वी मध्य प्रदेश के जबलपुर, शहडोल, रीवा संभाग के जिलों में कुछ बादल बने हुए हैं और प्रदेश के शेष क्षेत्रों से बादल छंटने लगे हैं। धूप निकलने की वजह से अब दिन का तापमान बढ़ने लगा है तो बादल छंटने से रात के तापमान में गिरावट भी होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, मौसम साफ होने के कारण अब न्यूनतम तापमान में और गिरावट होगी।

प्रदेश में सबसे कम 13.3 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 12.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अशफाक हुसैन ने बताया कि मिचौंग तूफान समाप्त हो चुका है। वर्तमान में प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाली कोई मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। उसका प्रदेश के मौसम पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठमौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि हवाओं के साथ नमी आने का सिलसिला कम होने लगा है। इस वजह से बादल छंटने लगे हैं। अब दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है, साथ ही रात के तापमान में अब गिरावट का सिलसिला शुरू होने लगा है। 11 दिसंबर को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने पर एक बार फिर रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने की संभावना है।

आईएमडी का फॉग अलर्ट- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि उत्तरी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय में 10 और 11 दिसंबर को अलग-अलग स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है। आमजन से आग्रह है कि सुबह के समय यात्रा करने से बचें।

✻ उठावना ✻

राधेश्याम जी गोपाल जी के छोटे भाई लालाजी केशव माधव की धर्मपत्नी एवं राजेंद्र जी की भाभी एवं पंकज मनोज की माता श्री कृष्णा बोराणा का दिनाक 8/12/23 स्वर्गवास हो गया था जिनका उठावना कल दिनाक 10/12/23 को दोपहर 2 बजे उनके निवास स्थान खड़ा शेर गली तेली मोहल्ला मनासा पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
बोराना परिवार, मनासा इंदौर
8120582814
6267848739

✻ उठावना ✻

मेरे अनुज एवं दामोदर, हरगोविंद, निरंजन, प्रदीप, ललित के काकाजी व तरुण, अश्विन के पूज्य पिताजी व शिवम के दादाजी

श्री गोपालजी बसेर वकील सा.(नोटरी) सुपुत्र स्व.शंकरलालजी बसेर का स्वर्गवास दिनांक 08 दिसंबर शुक्रवार को हो गया। जिनका उठावना दिनांक 10 दिसम्बर रविवार को दोपहर 2:30 बजे द्वारिकापुरी भवन पर रखा गया हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
श्री निवास बसेर एवं बसेर परिवार
मनासा, जिला नीमच

✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हैदर अली पिता बाकिर अली घड़ियाली ने अपना नाम परिवर्तन कर हैदर अली घड़ियाली कर लिया है। अतः आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम हैदर अली घड़ियाली के नाम से जाना एवं पहचाना जाएं।

पता-बोहरा बाखल, मंदसौर

कार्या. कोड 133

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
जल संसाधन संभाग, मंदसौर (म.प्र.)

Email-eewrdmds@gmail.com ph-07422-242268 Fax-07422-242268

विज्ञप्ति क्रमांक 01

जल संसाधन संभाग मंदसौर कार्यालय में मासिक किराये पर तीन वर्ष के लिए निर्धारित अर्हताधारी कम्प्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं डेस्कटॉप बहुउद्देशीय प्रिंटर एवं अन्य उपकरणों के साथ लिया जाना है। इच्छुक आवेदक अपना मोहर बंद प्रस्ताव दिनांक 26.12.2023 को दोपहर 3.00 बजे तक कार्यालय कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग मंदसौर में जमा कर सकता है। निविदा प्रस्तुत करने हेतु बयाने की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण जल संसाधन विभाग की वेबसाईट www.mpwrd.gov.in पर देखा या डाउनलोड किया जा सकता है।

स.क्रं.	कार्यालय का नाम एवं पता (जहां कार्य के लिए नियोजन होना है)	कार्यालय में वांछित कम्प्यूटर ऑपरेटर की संख्या
1.	कार्यालय कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग मंदसौर	01

G-21386/23
व्ही.एस. डोडवे
कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मंदसौर

कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़, जिला-मन्दसौर (म.प्र.)

क्रमांक/2448/ई-टेण्डरिंग/2023 नारायणगढ, दिनांक- 08/12/2023

✻ ई-निविदा आमंत्रण सूचना ✻

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2023_UAD_ 318715_1 दिनांक-08.12.2023	DEVELOPMENT OF GREEN PARK AT WARD 01 BURANJ GHATTI AT NARAYANGARH DIST MANDSAUR UNDER AMRUT 20 SCHEME	09 month 12,00,000/-	2,000/- 9000/-	08.01.2024 05.30 PM
2	2023_UAD_ 318730_1 दिनांक-08.12.2023	REJUVENATION OF CHAR BHUJA MANDIR TALAB AT NARAYANGARH UNDER AMRUT 20 SCHEME	09 month 27,99,000/-	5,000/- 20993/-	08.01.2024 05.30 PM

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptendenders.gov.in की वेबसाईड पर हीं किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

ममताकुंवर जयराजसिंह	वीरेन्द्र रुपरा	किशनकुमार कुसुमाकर	प्रमोद जैन
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सभापति, लोक निर्माण विभाग	मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद, नारायणगढ़	नगर परिषद, नारायणगढ़	नगर परिषद, नारायणगढ़	नगर परिषद, नारायणगढ़

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in